सर्वाधिक प्रसारित हिन्दी बाल मासिक
देवपुत्र
3, 71, 438
प्रसारण संख्या का विश्व कीर्तिमान रचने वाली
भारत की एकमात्र बाल पत्रिका

गुड़ियों का संसार

✷ डॉ. उषा यादव

गुड़ियों का संसार, निराला गुड़ियों का संसार।
यह गुड़िया बंगाली, खाती रसगुल्ला संदेश।
पहने हुए ताँत की साड़ी, घुटनों तक है केश।
बड़ी-बड़ी आँखों में सोहे, कजरे का श्रृंगार।
निराला गुड़ियों का संसार ।।
काम-रूप की जादूगरनी का, जो नामी देश।
वही अनूठा इस दुनिया का, प्यारा असम प्रदेश।
मिलकर सखियां साथ मनाती, प्रिय बिंदु त्योहार।
निराला गुड़ियों का संसार ।।
उत्कलवासी इस गुड़िया का रथयात्रा में चाव।
जगन्नाथजी का रथ खींचे, भरकर श्रद्धाभाव।
मन को मोहे नाच ओडिसी, नीना पारावार।
निराला गुड़ियों का संसार ।।
गुड़िया यह उत्तरप्रदेश की, करती संगम स्नान।
काशी में गंगा के तट पर, अक्सर पूजा-ध्यान।
ताजमहल तो देख चुकी है, अजी! पच्चीसों बार।
निराला गुड़ियों का संसार ।।
यह बिहार अंचल की गुड़िया, याद रखे इतिहास।
वैशाली, नालंदा, मिथिला, पटना क्यों है खास।
रेशम की साड़ी में लिपटी छुई-मुई सुकुमार।
निराला गुड़ियों का संसार ।।
यह गुड़िया पंजाबी, पहने हैं सलवार कमीज।
खाना खूब पकाती, क्या ही खुशबूदार लजीज।
मक्का की रोटी, सरसों का साग मसालेदार।
निराला गुड़ियों का संसार ।।
यह गुड़िया गुजराती, इसका नाम शारदा बैन।
छम-छम नाच दिखाया करती, कमजोर हैं नैन।
गरबा और रास हैं, इसके नृत्य धमाकेदार।
निराला गुड़ियों का संसार ।।
राजस्थानी गुड़िया को हैं सजा बोरला साथ।
तीज और गणगौर मनाती, हँसी-खुशी के साथ।
हाथों में हैं कड़े लाख के, क्या नक्काशीदार।
निराला गुड़ियों का संसार ।।

मध्यप्रदेश की गुड़िया को रूचे मालव संगीत।
शिप्रा, सिंधु, नर्मदा तट पर छेडे मीठे गीत।
मनोयोग से सीखा इसने कल ही राग मल्हार।
निराला गुड़ियों का संसार ।।
महाराष्ट्र की गुड़िया को है प्यारा विट्ठल नाम।
करती है गणेश पूजन भी, रोज सवेरे शाम।
देती है संक्रांति पर्व पर तिल-गुड़ का उपहार।
निराला गुड़ियों का संसार ।।
दिल्ली की यह गुड़िया घूमे, रोज चांदनी चौक।
सचमुच घुमक्कड़ी का इसको, बड़ा पुराना शौक।
आज किला, कल जामा मजिस्द, परसों कुतुबमीनार।
निराला गुड़ियों का संसार ।।
तमिलनाडू की गुड़िया का है महाबलिपुरम वास।
इडली, डोसा, सांभर, उपमा, भोजन इसका खास।
मन को सबसे ज्यादा भाए, पोंगल का त्योहार।
निराला गुड़ियों का संसार ।।
तिरूपति बालाजी की धरती, तेलुगूदेशम नाम।
इसे आंध्र भी कहते, इसमें नदियां तीर्थ ललाम।
गुड़िया रानी इस प्रदेश की, छलकाए मधु धार।
निराला गुड़ियों का संसार ।।
कर्नाटक की गुड़िया महके, चंदन अगरू समान।
इसको भाते जलप्रपात और हरे-भरे उद्यान।
दिखती जहाँ खजूर, नारियल केले की भरमार।
निराला गुड़ियों का संसार ।।
केरल की गुड़िया रानी के मलयालम हैं बोल।
रसम-पायसम सुनकर इसका जाता है चित डोल।
नृत्य कथकली से भी रखती है यह गहरा प्यार।
निराला गुड़ियों का संसार ।।
मेरे गुड़िया घर की गुड़ियाँ, सीधी, सच्ची, नेक।
अलग-अलग हैं रूप पर मन में सब एक।
अपनी प्यारी भारत माँ पर करती जान निसार
निराला गुड़ियों का संसार ।।